

15-2-19 को केस है।

14-2-19

25-2-19

पत्राचार की पुंजा इन्हीं चैतन्य साकार  
 रूप है/शेष अपात्रीय को साक्षीय मानें  
 है/अपत्रीय को ही साक्षी नही इन्हीं  
 पत्राचार का उच्यते को किया गया ता  
 हीसा अनुयायी किए जाने सा प्रमाण है  
 के तदनुसार पत्राचार के अनुमानों के  
 किंचित् पर अनुमानों किया जाता है कि  
 समझते है/कतः प्र. पत्र स्वीकार किया  
 जाकर ग्राम चक्र चन्द्रपाई न-2 के ताला  
 स. 9 जमाखंडी स. 2070-73 के अन्तर्गत  
 मित्यनशायण समाजापण तालुकापाल वि.  
 कोलमाळा दि. 1/2 के स्थापन पर दि. 1/12  
 2013 दर्ज किए जाने के बाद ही दि. 1/12  
 जाते हैं इन्हीं अनुमानों के बाद ही 2013  
 इन्हीं किया जाये किन्तु कीमापण दि. 1/12  
 तदनुसार को किया जाये प्रमाणों  
 बाद तसामीय नही मान्य है।

सपखण्ड अधिकारी  
 सपखण्ड चक्र (जयपुर)